



अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

शुक्रवार 18 नवंबर 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुत्थाति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं
अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

क्रिया योग: साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

- प्राचीन उच्च मानव सभ्यता में वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विष्यात 'क्रियायोग' है।
- क्रियायोग अभ्यास देवदाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
- क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
- क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
- क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं

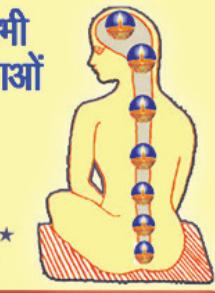
का समाधान

सुनिश्चित।

क्रियायोग

है

प्रथम क्रियायोग का लालीन मान



10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कोर्ट ने कहा- ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपने की मांग का मुकदमा सुनवाई योग्य

ज्ञानवापी: मुस्लिम पक्ष की आपति खारिज



वाराणसी: वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी के एक मालों में मुस्लिम पक्ष की आपति को खारिज कर दिया है। मुस्लिम पक्ष ने कहा था कि ज्ञानवापी परिसर का कब्जा हिंदुओं को सौंपने से जुड़ा मुकदमा सुनवाई योग्य नहीं है। इसकी सुनवाई नहीं होनी चाहिए, लेकिन कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आदेश दिया कि इस मुकदमे पर सुनवाई संभव है।

इस वज्र से मुस्लिम पक्ष की आपति को खारिज कर दिया गया। गुरुवार को ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपने सहित तीन मांगों को लेकर सिविल जज सीनियर कोर्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हुई। जिन तीन मांगों पर सुनवाई होनी थीं, उसमें एक याचिका किरन सिंह विसेन और अन्य की है।

इसमें ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपने की मांग की गई थी। इस पर अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने आपति लगाई थी। कमेटी ने कहा था

कि किरन सिंह विसेन की यह याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। भागवान आदि विश्वेश्वर विराजमान का मुकदमा विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह विसेन की पत्नी किरन सिंह विसेन और अन्य ने दाखिल किया है। 2 दिसंबर अगली डेट फिक्स: विश्व वैदिक सनातन संघ के एडवोकेट कोर्ट ने 17 नवंबर को डेट फिक्स की थी। यह मुकदमा विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह विसेन की पत्नी किरन सिंह विसेन और अन्य की ओर से दाखिल किया गया है। कोर्ट में हिंदू और मुस्लिम पक्ष अपनी बहस पूरी कर उसकी लिखित प्रति दाखिल कर चुके थे।

किरन सिंह विसेन और अन्य की 3 मांग:

ज्ञानवापी परिसर में मुस्लिम पक्ष का प्रवेश प्रतिबंधित हो।

ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंप दिया जाए।

ज्ञानवापी परिसर में शामिल हो।

ज्ञानवापी के द्वारा योग्यता दिया जाए।

प्रतापगढ़ संदेश

राष्ट्र निर्माण में मीडिया की ऐतिहासिक भूमिका रही: परियोजना निदेशक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डॉ नितिन बंसल के निर्देशन में राष्ट्रीय प्रेस दिवस का आयोजन क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान के सभागार में जिला सचिवाओं कार्यालय एवं ३०५० जनरलरेस्टेस एसोसिएशन प्रतापगढ़ के स्वयं तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शास्त्रीय मुख्य अंतिथं के रूप में परियोजना निदेशक डी आरआई आर०००० शमां द्वारा मौं सरस्वती के चित्र पर माल्यांपण कर किया गया।

संगोष्ठी में परियोजना निदेशक डीआरआई ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मीडिया बृहत्तओं को हार्दिक शुभार्थाएं दी और राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका विषय पर परियोजना निदेशक डी आरआई आर०००० शमां द्वारा मौं सरस्वती के चित्र पर माल्यांपण कर किया गया।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन



सभागार में आयोजित संगोष्ठी में मौजूद अंतिथं।

योगदान प्रशासन का है उससे कहीं ज्ञान योगदान मीडिया बृहत्तों का है। उन्होंने कहा कि आप द्वारा जन समस्याओं के सज्जन में लाने पर प्रशासन द्वारा उस पर कार्यवाही की

जाती है, आप शासन, प्रशासन की योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रचार प्रसार में निन्दर सकारात्मक भूमिका निभाते रहते हैं, इसके लिये हम सब आपके आधारी हैं। समाज के

नकारात्मक पहलू को सामने लाकर आप द्वारा उन्हें सुधारने का सज्जा प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्र निर्माण में मीडिया की ऐतिहासिक भूमिका रही है, वर्तमान

विदेश संदेश

अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने रूस, बेलारूस को निलंबित किया

बर्लिन। बर्लिन में महासभा की बैठक में अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के सदस्य संगठनों ने रूस और बेलारूस की राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (एनपीसी) को निलंबित कर दिया। आईपीसी के अधिकारी एंड्र्यू पार्सन्स ने कहा, एक लोकतांत्रिक, सदस्यता-आधारित संगठन के रूप में आईपीसी के सर्वोच्च निकाय के रूप में महासभा को इस महत्वपूर्ण मामले पर निर्णय लेने की अनुमति देना महत्वपूर्ण था। आईपीसी सदस्यों ने रूस को निलंबित करने के प्रस्ताव के पक्ष में 64-39 वोट (16 सदस्य अनुपस्थित रहे), जबकि 54-45 ने बेलारूस को निलंबित करने के पक्ष में मतदान किया, जिसमें 18 सदस्य अनुपस्थित रहे। आईपीसी सदस्यों द्वारा एनपीसी रूस और एनपीसी बेलारूस को निलंबित करने का निर्णय आईपीसी संविधान के तहत उनकी सदस्यता दायित्वों का पालन करने में असमर्थ है। इसमें यह सुनिश्चित करने के दायित्व शामिल हैं कि, पैरा खेल में निपाश खेल की भावना प्रबल हो, एथलीटों की सुक्षमा और स्वास्थ्य की रक्षा की अपील और मोलिक नैतिक सिद्धांतों को बकरार रखा जाए। अधिकारी एनपीसी सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करने का अवश्यक प्रस्ताव पर बोट लेने से पहले, आईपीसी सदस्यों ने एनपीसी बेलारूस को निलंबित करने का निर्णय आईपीसी संविधान के तहत उनकी सदस्यता दायित्वों का पालन करने में असमर्थ है। इसमें यह सुनिश्चित करने के दायित्व शामिल हैं कि, पैरा खेल में निपाश खेल की भावना प्रबल हो, एथलीटों की सुक्षमा और स्वास्थ्य की रक्षा की अपील और मोलिक नैतिक सिद्धांतों को बकरार रखा जाए। अधिकारी एनपीसी सदस्यों ने एनपीसी बेलारूस को निलंबित करने का अपने विचार व्यक्त करने का अवश्यक प्रस्ताव का अवश्यक प्रस्ताव। इसमें रूस और बेलारूस के एनपीसी से सुनाइड शामिल ही, जो हमारे संविधान को नियन्त्रित करने वाले जीवन कानून के तहत असाधारण महासभा में भाग लेने, बोलने और अपना मामला पेश करने का अधिकार रखते हैं। अंततः हमारी सदस्यता ने अगली सूचना तक दोनों एनपीसी को तकलीफ प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया है।



5000 से ज्यादा कैदियों को रिहा किया जाएगा, इनमें पूर्व ब्रिटिश राजदूत कई अहम नाम

बर्लिन। यांगामर की सेना जुटा देश के राष्ट्रीय विजय दिवस के अवसर पर कैदी माफी के हिस्से के रूप में यांगामर के पूर्व ब्रिटिश राजदूत और एक ऑस्ट्रेलियाई अंतर्राष्ट्रीय सहित हजारों कैदियों को रिहा किया जाएगा। इसमें से केवल 5,744 कैदियों को रिहा किया जाएगा। इसमें से केवल 5 ऑस्ट्रेलियाई अंतर्राष्ट्रीय सीन टर्नेल भी शामिल हैं, जिन्हें फरवरी 2021 में सत्ता पर कब्जा करने के बाद से हिरासत में लिया गया था। यांगामर में पूर्व ब्रिटिश राजदूत विक्री बोमैन (जिन्हें आगत में गिरफतार किया गया था) को भी जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

यांगामर में 1 फॉर्म दो कैदी जो देश की लोकतांत्रिक सरकार का तखात प्रलट करने के बाद से वहाँ सेव्य शासन लागू है। यांगामर में ब्रिटेन की पूर्व राजदूत बोमैन (56) को आगत में उनके पाति के साथ गिरफतार किया गया था। सुरक्षा बलों ने सेंटिवर में सिड्नी के मैट्टीरी विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय के सदायक प्रोफेसर 58 वर्षीय टर्नेल को यांगून के एक होटेल से गिरफतार किया था। उन्हें आधिकारिक गोपनीयता कानून और आव्रजन कानून को उड़वने के आरोप में तीन साल राशनाचार की विविध रिपोर्ट दिया गया था। यांगामर में 26 वर्षीय कुबोता को यांगून में पिछले साल 30 जुलाई को गिरफतार किया गया था। उन्हें पिछले महीने 10 साल कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन पर सत्ता पर सेना के कब्जे के खिलाफ आयोजित एक प्रदर्शन की तस्वीरें लेने का आरोप था। उन पर वीडियो बानाने के भी आरोप लगाए गए थे।

जंग की ओर बढ़ रहे ताइवान और चीन, रिपोर्ट में दावा-दोनों ने तेज़ की दैन्य तैयारियाँ

बर्लिन। चीन व ताइवान की रक्षा तैयारियों और जंग की ओर बढ़ने को लेकर एक मीडिया रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। इसमें यहीं अपनी सैन्य गतिविधियों में बढ़ा दी है। इस देखते हुए ताइपे ने भी अपनी रक्षा और बढ़ा की दराव के लिए रिपोर्ट दी है। सिंगापुर पोर्ट ने चीन व ताइवान की रक्षा तैयारियों को लेकर रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि चीन की मशा को भांपते हुए ताइपे ने अपनी सैन्य तैयारी शुरू कर दी है। इसमें पहले ताइवान को गष्टप्रति तर्सी द्वारा जीता जाएगा। उन्होंने चीन की मशा को भांपते हुए ताइपे को लोगों का हौंसा कहा है। उन्होंने चीन का बनान लिए रखा था कि ताइवान के स्थानीय मीडिया पोर्ट के आधार पर यह खबर दी है। इसमें कहा गया है कि ताइवान ने लड़ाकू विमानों और नौकरीकी पोतों जैसे बड़े सैन्य प्लेटफॉर्मों और प्रणालीयों की खोरीदी के बजाए छोटे घास एटी-शिप हथियारों और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर फोकस किया है।

आखिर तीसरी बार में लॉन्च हो सका चांद पर यात्रा का अमेरिकी मिशन

बालिंगटन। तीसरी बार में चांद पर यात्रा के कारण लांचिंग टाल दी गयी थी। इसके बाद सिंटिवर में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की मिलाने के कारण लांचिंग टाल दी गयी थी। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही तो एक बाजार में शेयर बाजार ने आज गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की।

नियंत्रित सेंटिमेंट्स के कारणों से सेंसेक्स और निपटी दोनों सूचकाकार कमजोरों के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में इन दोनों संचाकांकों में बिकावाली के दबाव की वजह से गिरावट के बाजार में लैंगिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण धरेल शेयर बाजार ने आज गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की।

नियंत्रित सेंटिमेंट्स के कारणों से सेंसेक्स और निपटी दोनों सूचकाकार कमजोरों के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में इन दोनों संचाकांकों में बिकावाली के दबाव की वजह से गिरावट के बाजार में लैंगिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नहीं होनी चाही। इसके बाद लिंगन में और ऑरियन स्पेसक्रॉफ्ट की पहली परीक्षण उड़ान है। 322 कुट (98 मीटर) लंबा यह रॉकेट

कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण दबाव में शेयर बाजार

बाजार

लेकिन इसमें कामयाबी नह